C-10

समावेशी शिक्षा (Inclusive Education)

भूमिका :- समावेशी शिक्षा एक शिक्षा प्रणाली है।

शिक्षा का समावेशीकरण यह बताता है कि विशेष शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक सामान्य छात्र और एक विशिष्ट छात्र तथा एक दिव्यांग को समान शिक्षा प्राप्ति के अवसर मिलने चाहिए। इसमें एक सामान्य छात्र एक दिव्यांग छात्र के साथ विद्यालय में अधिकतर समय बिताता है। पहले समावेशी शिक्षा की परिकल्पना सिर्फ विशेष छात्रों के लिए की गई थी लेकिन आधुनिक काल में हर शिक्षक को इस सिद्धान्त को विस्तृत दृष्टिकोण से अपनी कक्षा में व्यवहार में लाना चाहिए।

समावेशी शिक्षा का अर्थ एवं परिभाषाएँ (Definitions And Concept of Inclusive Education)

:- समावेशी शिक्षा वह शिक्षा होती है, जिसके द्वारा विशिष्ट क्षमता वाले बालक जैसे मन्द बुद्धि, अन्धे बालक, बहरे बालक तथा प्रतिभाशाली बालकों को ज्ञान प्रदान किया जाता है।

समावेशी शिक्षा के द्वारा सर्व प्रथम, छात्रों के बौद्धिक शैक्षिक स्तर की जाँच की जाती है; तत्पश्चात उन्हें दी जाने वाली शिक्षा का स्तर निर्धारित किया जाता है। अतः यह एक

Scanned with CamScanner

ऐसी शिक्षा प्रणाली है, जो कि विशिष्ट क्षमता वाले बालकों हेतु ही निर्धारित की जाती है अतः इसे समावेशी अथवा समावेशी शिक्षा का नाम दिया गया।

स्टीफन तथा ब्लैकहर्ट के अनुसार :

"शिक्षा की मुख्य धारा का अर्थ बाधित (पूर्ण रूप से अपंग नहीं) बालकों की सामान्य कक्षाओं में शिक्षण व्यवस्था करना है। यह समान अवसर मनोवैज्ञानिक सोच पर आधारित है जो व्यक्तिगत योजना के द्वारा उपयुक्त सामाजिक मानकीयकरण और अधिगम को बढ़ावा देती है।"

यरशेल के अनुसार -

समावेशी शिक्षा के कुछ कारण योग्यता, लिंग, प्रजाति, जाति, भाषा, चिन्ता स्तर, सामाजिक - आर्थिक स्तर, विकलांगता लिंग व्यवहार या धर्म से सम्बन्धित होते हैं।

शिक्षाशास्त्री के अनुसार -

समावेशी शिक्षा को एक आधुनिक सोच की तरह परिभाषित किया जा सकता है, जो कि शिक्षा को अपने में सिमटे हुए दृष्टिकोण से मुक्त करती है और ऊपर उठने के लिए प्रोत्साहित करती है।

दूसरे शब्दों में, अपवर्जन के विरुद्ध एक पहल है।

Scanned with CamScanner

शिक्षाशास्त्री के अनुसार –
समावेशी शिक्षा अधिगम के ही नही, बल्कि विशिष्ट अधिगम के नये आयाम खोलती है।

समावेशी शिक्षा एक सतही प्रक्रिया नही है, बल्कि मनुष्यों के विकास के लिये मनुष्यों द्वारा किये गये कुण्ठामुक्त प्रयास है।

समावेशी शिक्षा की विशेषताएँ
(Characteristics of Inclusive Education)

(1)- समावेशी शिक्षा ऐसी शिक्षा है जिसके अन्तर्गत शारीरिक रूप से बाधित बालक तथा सामान्य बालक साथ-साथ सामान्य कक्षा ग्रहण करते है। अपंग बालकों को कुछ अधिक सहायता प्रदान की जाती है। इस प्रकार समावेशी शिक्षा अपंग बालको के पृथक्कीकरण के विरोधी व्यावहारिक समाधान है।

(2) समावेशी शिक्षा विशिष्ट शिक्षा का विकल्प नही है समावेशी शिक्षा तो विशिष्ट शिक्षा का पूरक है कभी-कभी बहुत कम शारीरिक रूप से बाधित बालको को समावेशी शिक्षा संस्था मे प्रवेश कराया जा सकता है। गम्भीर रूप से अपंग बालक को जो विशिष्ट शिक्षण संस्थाओ मे शिक्षा ग्रहण करते है, सम्प्रेषण व अन्य प्रतिभा ग्रहण करने

Scanned with CamScanner

के पश्चात् वे समन्वित विद्यालयो मे प्रवेश पा सकते है।

(3) इस शिक्षा का ऐसा प्रारूप दिया गया है जिससे अपंग बालक को समान शिक्षा के अनुसार शिक्षा प्राप्त हो तथा वे समाज मे अन्य लोगो की भाँति आत्मनिर्भर हो कर अपना जीवन-यापन कर सके।

(4) यह अपंग बालको को कम प्रतिबन्धित तथा अधिक प्रभावी वातावरण उपलब्ध कराती है जिससे वे समान्य बालको के समान जीवनयापन कर सके

(5) यह समाज मे अपंग तथा सामान्य बालको के मध्य स्वस्थ समाजिक वातावरण तथा सम्बन्ध बनाने मे समाज के प्रत्येक स्तर पर सहायक है। समाज मे एक-दूसरे के मध्य दूरी कम तथा आपसी सहयोग की भावना को प्रदान करती है।

(6) यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत शारिरिक रूप से बाधित बालक भी सामान्य बालको के समान महत्वपूर्ण समझे जाते है

Scanned with CamScanner

समावेशी शिक्षा के उद्देश्य (Objectives of Inclusive Education)

समावेशी शिक्षा के उद्देश्य अग्र हैं–

(1) शारीरिक दोषयुक्त विभिन्न बालको की विशेषता आवश्यकताओं की सर्वप्रथम पहचान करना तथा निर्धारण करना।

(2) शारीरिक दोष की दशा को बढ़ाने से पहले कि वे गम्भीर स्थिति को प्राप्त हो, उनके रोक-थाम के लिए सर्वप्रथम उपाय किया जाना बालको के सिखने की समस्यों को ध्यान मे रखते हुए कार्य करने की विभिन्न नवीन विधियों द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करना।

(3) शारीरिक रूप से विकृतियुक्त बालको का पुर्नवास कराया जाना।

(4) शारीरिक रूप विकृतियुक्त बालको की शिक्षण समस्याओं की जानकारी प्रदान करना।

(5) शारीरिक रूप से विकृतियुक्त बालको की शिक्षण समस्याओं की जानकारी तथा सुधार हेतु सामूहित संगठन की तैयारी किया जाना

(6) बालको की असमर्थताओं का पता लगाकर उनको दूर करने का प्रयास करना।

Scanned with CamScanner